

Hindi Murli Quiz 26-05-15

पासिंग स्कोर-40%.

Q.1) इनमें से गलत वाक्यों का चयन करें -

- A. ☐ बाबा बच्चों को भी आपसमान बनाते हैं।
 B. ☐ यह बाबा कहते हैं तुम हमारे से भी बड़े हो, इनके ऊपर तो बहुत मामले हैं। जिनके माथे मामला..... सब खयालात रहती हैं।
 C. ☐ ज्ञान तो बहुत अच्छा है, प्रदर्शनी में सर्विस बहुत अच्छी करते हो, रात-दिन सर्विस में लग जाते हो तो बेबी कह नहीं सकते।
 D. ☐ वहाँ तो भल बूढ़े होते हैं तो भी खुशी रहती है कि हम बच्चा बनेंगे।
 E. ☐ बच्चे भी कहते हैं हम प्रिन्स-प्रिन्सेज बनेंगे। बाप कहते हैं यह मासी का घर नहीं है।

Q.2) इनमें से सही वाक्यों का चयन करें -

- A. ☐ बाप कहते हैं मैं आया हूँ, काम चिंता से उतार तुमको अब योग चिंता पर बिठाता हूँ।
 B. ☐ यह खांसी आदि होती है यह कर्मयोग है, यह पुरानी जुती है।
 C. ☐ कभी दिलहोल (दिलशिकस्त) नहीं बनना है - यह खयाल कभी न आये कि सब थोड़ेही राजा बनेंगे।
 D. ☐ तुम्हें एक जगह बैठकर योग ज़रूर करना है। इससे ही तुम कर्मयोगी बनोगे।
 E. ☐ जो बच्चे अपना पूरा-पूरा पोतामेल बाप को भेज देते हैं बाबा उन्हें ही अपनी राय देते हैं।

Q.3) Match the following

	Choice		Match
A	मनुष्य भल क्या भी बोलते रहें।	1	तुम्हारी खुशी क्यों गुम हो जानी चाहिए।
B	दिलहोल क्यों होते हो कि सभी थोड़ेही राजायें बनेंगे!	2	सर्व का मुक्ति-जीवनमुक्ति दाता है ही एक बाप।
C	तुम बच्चों की बुद्धि में रहना चाहिए कि	3	इसलिए बीती सो बीती कर अपने महत्व वा कर्तव्य को जानकर सदा जागती-ज्योत बनो।
D	तुम 9 लाख होंगे।	4	सिर्फ प्रैक्टिस करो अभी-अभी कर्मयोगी, अभी-अभी कर्मातीत स्टेज।
E	बुद्धि कहती है सतयुग में बहुत छोटा झाड़ होता है, ब्युटीफुल।	5	ऐसे आप मास्टर रचता समेटने की शक्ति के आधार से सेकण्ड में सर्व संकल्पों को समाकर एक संकल्प में स्थित हो जाओ।
F	धर्म की वृद्धि तो होती है ना।	6	स्मृति-विस्मृति की युद्ध समाप्त करो।
G	आप बच्चे जग की ज्योति हो, आपके परिवर्तन से विश्व का परिवर्तन होना है-	7	अरविन्द घोष का मिसाल।
H	आप सेकण्ड में स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन कर सकते हो।	8	सो भी एबाउट कहा जाता है।
I	जैसे आपकी रचना कुछआ सेकण्ड में सब अंग समेट लेता है।	9	यह खयाल आया, फेल हुआ।
J	लवलीन स्थिति का अनुभव करने के लिए	10	नाम ही है स्वर्ग पैराडाइज।

Q.4) Match the following

	Choice		Match
A	इनको यह खुशी है कि हम यह बनने वाले हैं। बच्चे जैसी चलन हो जाती है। बच्चों मिसल इजी रहते हैं।	1	घमण्ड आदि कुछ नहीं। ज्ञान की बुद्धि है।
B	तुम बच्चों को यह खुशी अन्दर में होनी चाहिए ना	2	तुमको अब रोशनी मिलती है। तुम त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी बन रहे हो।
C	नॉलेज तो बहुत सहज है। यह भी जानते हैं	3	10 से 12 तक इसलिए सवरे का टाइम बहुत अच्छा है।
D	आदत पड़ जायेगी तो फिर	4	पूरे 84 जन्म लेते हैं।
E	मैं शरीर हूँ, ऐसा कहना गोया	5	करेक्शन होती रहती है।
F	बच्चे पढ़ते रहते हैं,	6	यहाँ आकर समझेंगे भी वही जो कल्प पहले आये होंगे।
G	अभी तुम बच्चों को यह चिंता लग जानी चाहिए कि	7	एरोप्लेन या ट्रेन में बैठे रहेंगे तो भी अपनी धुन लगी रहेगी।
H	अब तुमको ज्ञान है, दुनिया तो घोर अन्धियारे में है।	8	हम यह शरीर छोड़ जाकर यह बनेंगे।
I	सबसे खराब वायुमण्डल रहता है -	9	हमें तमोप्रधान से सतोप्रधान, पतित से पावन बनना है।

Q.5) इनमें से याद की यात्रा पर जो भी बाबा ने आज कहा उसका चयन करें -

- A. ☐ बैठने की आदत बाबा नहीं डालते हैं, याद तो चलते-फिरते कर सकते हो।
- B. ☐ बाबा को बता सकते हो, बाबा हमारा यह धन्धा होने के कारण अथवा यह कार्य होने कारण हम याद नहीं कर सकता हूँ। बाबा फट से राय देंगे-ऐसे नहीं, ऐसे करो।
- C. ☐ बाप बच्चों को समझाते हैं ज्ञान तो बड़ा सहज है, परन्तु याद में मेहनत है।
- D. ☐ घूमते-फिरते भी बाप की याद रहे।
- E. ☐ बाप को याद करना है और भविष्य वर्स को याद करना है।
- F. ☐ बाप को याद ही नहीं करेंगे तो नर से नारायण कैसे बनेंगे।
- G. ☐ सभी बच्चों को एक ही युक्ति बताते हैं-सिर्फ कहते हैं बाप को याद करो, चार्ट रखो तो तुमको बहुत खुशी होगी।
- H. ☐ अभी हमें यह पुराना शरीर छोड़ घर जाना है। यह भी याद रहे तो पुरुषार्थ तीव्र हो जायेगा।
- I. ☐ तुम्हें हाथों से काम करते भी बाप को याद करना है।
- J. ☐ रात को 9 बजे सो जाओ फिर 2-3 बजे उठकर याद करो।
- K. ☐ कई बच्चे सर्विस करते रहते हैं, दूसरों को ज्ञान सुनाते रहते हैं लेकिन बाप को याद नहीं करते।
- L. ☐ बच्चों को बताना चाहिए हम बाप को कैसे याद करते हैं? कब याद करते हैं? फिर बाप राय देंगे।
- M. ☐ बाबा से बातें करो। वर्ल्ड की हिस्ट्री-जॉग्राफी याद करो।
- N. ☐ फिर थक जाते हो। अच्छा, याद में लेट जाओ।
- O. ☐ सब बच्चों को रोज समझाता हूँ। मीठे बच्चों, तुम याद की यात्रा में बहुत कमजोर हो।
- P. ☐ सिवाए बाप की याद के और कोई उपाय नहीं।
- Q. ☐ ज्ञान में तो भल अच्छे हो परन्तु हर एक अपने दिल से पूछे-मैं बाबा की याद में कितना रहता हूँ?
- R. ☐ हम बाबा की याद भूल जाते हैं। अरे, बाप को तो बेबी भी नहीं भूलते तुम तो बेबी से भी बेबी हो।
- S. ☐ यह भी लिखना है। आत्मा का परमात्मा के साथ योग अर्थात् याद है।
- T. ☐ दिन में बहुत काम आदि में बिजी रहते हो, यँ तो काम करते भी याद में रह सकते हो।
- U. ☐ इस याद में रहेंगे तो फिर अन्त मती सो गति हो जायेगी।
- V. ☐ रोटी खाते हो बाबा को याद करो।